

प्राप्त ऋति गाणि रहेरू मणाप्रतापुर्वस्मा `प्रदेप टेड्स १४४ इसेस มัยใชเป มัคคล सर एवाजाभ्य प्रारेए टेंक ऋधुमए४ स्ट्रिक म्ब्रहेशारी गोर्चर इस मारापार) भाषरप्रदर्शि



ष्प्रणामेश्वर प्रमाण केश्वर विश्वर भागोजन हर है र दर्शातमा रोभ वाक्षेट उदहरः वाक मित्रित ए.स.जीर जेजए स्रापार एष र देजभी प प्रसः लागरसँ जोभ्यागरू ድ^୭መሪጦ ይጣሪመሪ ዝ



त्रेराण सम्रेम ग्रहण (७४ ्राष्ट्रमा व्यस् **प्रा**॰ ्रा गार्र, गारेडिंस हैं उर्वे टाराप्रार्ग *प्रोज्ञस*्टरीयर हेरीचराए स्राहरूटाया भगदर्गस्म रमर्टा त्रेज्य रेक्षेभणगा E,₯<u>™</u>,E ŒÆ



गरेपार्यभागार टेइट्टापार्य ल्रेस्ट्रा स्टेगापा टाप्रिस्टर्मा जीवस्थ्रस्या । लक्षण त्रेज्ञीष्ठ एषार्जं र्दे∞#४ *ल्रेटेड्रर प्रस्ला* स्*रे*णप्रा टेंग्डएरा

sss वाटास्माय हो इ.स. हुआ है। जा भारत मार्थ के अधिर वा

HUEIYEN I ANPAO

र्हातीम मधम भाषा जाजा जामा प्रभाव कुण्य सभ्य असट्यथ्य त्रिया हुन स्था त्र स्था त्र स्था हुन स्था हुन

प्रक्री) ३० सहरूपान्य का प्रत्याद ण्डण प्राच्या स्थान होता श्राप्त भारती होता अ ग्रहें जैस आग प्रभन्न रमित्रा स्थार्राष्ट्राण सक्स देख्यान-टात्रस, हिट॰४-प्रेप्पप्रे, प्रस्टर्घ सिंगोर जिणान्न केत्र क्षा अनुद्वन्न कित्र ग्रह्म हर्गण रमण्टि देवागि ग्रदर् Ĕ₀ℿ‱<u>™™</u>ℍ

टेक्टपीयर्रं लिस्नि तर्रे लिस्नि मध्य रि जिस्त्रेमद रिवास अहुश्री राजार स्थानिक स्थानिक स्थानिक समध्य गाठी त्रभत्रधाठि रिक्रण गरि **लम्प क्रेम्बर एपिस** देलमर **एएड्रिस एक्ट्रिस अह**र्य केंद्र ॥ राज्याया स्वर्धे स र्ट्यञ्जू ॥ गिष्ठभिष्ठभाँरूपम्म ष्ट्रोलक्र प्रस्ठ त्रेष्ट्रहरूपा, एप्रायोज्ञ-त्रेज्ञहरु, त्रस्एर्डा र्रायप्र-४°ऽीञ्च द्रांधणीण्डमरद ोन्ह्रीणदर्श्यक उपारिक्य होजप्यभें पारिहर्द्ध

॥ दण्यभञ्चर्त स्रीत्रम दर्शभुरु ॥ भग्रहरूपीरु प्रार्था न्यात्र न्यात्र हेर्नाया सम्मात्र हेर्नाया सम्मात्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र स्वत्य विकास सम्मात्र क्षेत्र क्षेत्र र्वात्रप मिल्लाहरू भारत हैयोज भरोड



। दणभदर्ग मध्म भागाद-र्गाद , रिदर्व एणर्जम ද්නග්ш-ද්නග්ෂ, ₩ஆ௱ इप्पाराधारवर्ट द्रश्याम रमग्राठ्या ॥ दमभीरमम एक प्राप्त प्राप्त प्रस्ति मध्यम् , मध्यम् , मध्यम् प्रस्ति प्रमुद्धम् प्राप्ति । क्रम्पूर प्रमातिक ष्ट्रध्य ज्याराजार प्रस्टर

-पार्यसार जहारज्ञर रिष्ठणउतर्रह भारजभंत रजमत् दर्धाद भादर्क्यो

गर्रें प्रायमित्र प्रमामित्र प्रम न्रेए जूएरेड **TCOLING** मंध ३३ वर्ग प्राप्त केंश्वर- हार॰४-प्राप्तरेलाम सहम त्रेमात्रेलाम, टेक्वपीम-टेक्ल्यलाम कार्यक्र प्राप्त १५ से स ७७७ए ण रेस्टाज्य होता विचानित क्यामित क्यामित हो।

गापार्थ ऋंखटे टेंक्शाण्यक्रप्रता मेटक्स्य . जहणन्मसन्नर्यः ज्ञान्यः व्यापारहार्यः जरण्याची त्रस्त्रहा, स्टामा ख्रामात स्ट्रिक अस्तरमा अस्तरमा अस्तरमा अस्तरमा अस्तरमा अस्तरमा अस्तरमा अस्तरमा अस्तरमा अस्त ा रेटाउडी साउ४^र्र रङ्गरभ्रद्यर्ट्स

ियारिक मार्साठ सर्वे मध्य ಶಿಂಮ-ಡ್ಯಮ ಗಿಗಿರಶಿನ ಬ್ಲಿಸ रूरीम हरಶोर्श्य प्राप्त । त्रित्रं पाधुरा स्वराजर्थर पाथ्यम ज्ञाराजन्त्रम

....ह्य दक्केट ब्रम

Шटाश्रमित र्यक्ता र्रिज भेदर्गा

रक्का ३० सक्र खान्य, प्रज्ञात त्ति ता अन्यात व्याप्त का अन्यात अन्य ट्याप्या प्राया क्षेत्रहरूलाय विद्याप्य श्राहित राजन विकास स्वाप्त स्वापत स प्राम्म अस्त्राहण अस्तर्भाष्ट्रा ार शि<u>ठिष्</u>रणा सिग्राट रिद्रेंम सेंदर्शा गण्डा मिरा मार्या हिन्स स्थान क्रिष्ठशार्शित स्रोहमा जिल्लासम्बद्धित । भिरत् एमण विभिन्न प्राप्त प्राप्त । भिरत् एमण विभिन्न । म॰क्र फ्रांच प्रत्ये प्रत्ये प्रत्ये प्र - श्रष्टा हर्त अग्र ति ॥ <u>भव्य</u>दर्क एमऽद्रैस्जन्म लक्ष्योर्ठन्य । रजन्धेद्रन्य मरण्यम भरप्यभ<u>भव्य</u> **प्रान्थित प्रान्थित हैं** प्रान्थित प्राप्य व्याणी सिंदरः 🖽

णागाता स्टूर्य हे से हिंदि है जिस्सी हिंदि है जिस्सी अध्या है जो जो है ज े से विक्र विक्र किस्सा उसरे पार्थ पार्थ का एरास्ता । विषय पार्थ के अराजा कर भे और तहा है उन्न विक्र विक्र पार् जिष्ठ में उत्तर हिन्दू हैं हैं हैं ग्रास्ट्रेस्ट ए. १५ व.स. १५ व.स. १५ व.स. १५५५ व.स. ॥ त्रित्र हे गुणामा हात है अप अध्या भूत के प्रमाणी हात हात हात है है हिंदी प्रमाण स्थाप है अप अध्या है जिल्ला रूप्रग्रम्म प्राप्त प्रस्थात । १ 100 हे हिन्स 100 हिन्स मह्म 100 हिन्स मह्म 100 हिन्स मह्म 100 हिन्स मह्म 100स्क्रें एक क्षा क्लेन्ड <u>क</u>ार । क्रिक्ट कार्त्य कार्त्य नामालकूक नामालक्ष्य होते नाम क्षा होते होता है जिस्ते हैं ॥ौबर्दण ग्राम मधँघ गौरम[्]ण २९७ रद[्]ण ोणभ्जन्मभर्भागिर २ रजन्भन्यस्त्रं <u>भिष</u>्टलस्र रोबदभ्र ग्रामोलस्प्रं रोषद ിച്ചി<u>ക്</u>താരുതെ ഒരു ക്കാന് വാക്കുന്നു വാട്ടു പ്രത്യായ പ്രത്യാ പ്രത്യായില്ലെ പ്രത്യായ വാട്ടു പ്രത്യായ പ്രത്യായ പ്ര संन्यशिष्णर्घ छन्५ रिव क्षराधाभीर क्षराशिरोस छार्पन्स पाठान्न एर्वे एर्वे पार्वे पार्वे ।। विधार्यन्ते र राजेन राजे ಸ್ಹೌಸ್ ಹುಗು ಹುಗು ಬಳ್ಳು ಬಳ್ಳು ಬ ക്കടിന്നായായ द्रीरहेर ക്കുന്നു ചെറ്റ്രിലുന്നു सभीरू हमभुभिक्षा जारक्ष्य जाभिर्धा सभीर होर्फर क्रेंट हमभुभिक्षा ॥ ग्रिन्हरूजीरक्रांत जाइमोत क्रम स्थार्ट देवम

ज्ञिस्टाम, हाल-टेन्डले एएजए पार्य ිතමනගහණ ප්රේත මෙන්ගනය[ි]

प्रक्री) इ० सठ्वरतात्म ,ध्वेमद . क्रांटिक एडक्टाप्रेस प्राप्त ख्राप्त क्र ් මාන්ත් මාන්ත් වන්න වන්න වන්න වන්න ट्रांभस्त्रात्य प्रावेटेश टॅक्स्पाञ्च टॅर्ड

॥ गिष्ठमभ्यम शिष्ठी इन्त्र हर्म्यास्थ्र हर्स्य २२ भाशिम र्स हर्मम

ሙଫዙ ॥ रेस्ट्रिय प्रस्टा एवटी एसर्ड व राजित है है है अभाषा है जार्ज कर भाषा है जार्ज व सर्वाण भारत है ज

दैन्या होतीमा ॥तिमाम प्रविपःव्य रिजाव्य पाठक भिमामप्राक्षालु इदं व्यानिक भिन्नाता हो होति । अव्याप्य<u> भिव</u>न्न प्रहुभ टक्क उद्ध रूम भारक मित्रमण महत्रण लक्षमा वर्ष प्रभाविम

सर्छण अध्य अध्य राज्य एमनस्यर्ध राज्यस<u>्था</u>त्तसरम्बद राज्यसाराजान्य प्राचीलर्रंकार्र जार्च ॥ न्हर्त रदर्क

 x^2 मःसमाराहे स्ट॰ए॰ में प्रहाप्त में अराह्म में अराह्म में

MELLOCA °भूदाण्य दियाभू

प्रक्री) इ० सठश्राचा मान्या प्रभाद भूता हेत्य स्ट⁰ स्ट सभ्य प्राप्याप्य प्रभन टु, प्रात्त प्रात्म १८ व्या १८ व्या त्रधर विदर्भ प्राप्तियास रहे उन्नर ह्या अध्यात्रमा विश्वास माध्यमार्थे मार्गार

<u> स्</u>रुएिटी ग्रोरे <u>र</u> प्रााप्त्र ഷടസോജ്യ भार**ि**श्रञ्जसभा क्षेत्रक्ष प्रत्मे प्रत्मे प्रत्मे प्रत्मे स्वाधित क्रिए विद्याप्त भारत шоят ५५१०म भठम°म मञ्जाभकारञ्ज अरमिष्ठ मध्य ा बिर्देश पाक्रल एवं ग्रिस मक्षेप प्राप्त हें म्रिया से प्राप्त विश्व ग्रम १०० ३ करम॰ जो प्राप्त भ METER TO BE TO THE TOTAL STREET ्रेमाष्ट्रा एक्ट्रण एक्ट्रण प्राज्ञत द्याम राजा द्वा स्था स्थान अप्र एक अञ्चल होता व्यक्त ८३ माहमूर काउद⁶ जाहमा ेम स्कृष्ट्रेय अन्ना<u>म</u>क्ता म ഴൗന്ദ്ര<u>സ്</u>പ 何能公司 मरज<u>्ञाम</u>ञ्ज ग्रास्टिश ፲፱፻፵፫ ይፈም ውር አ ...ह्य दर्मेट द्रम

HL Poll

Q: Harao kumhei yambana Manipurgi senmitlongi fibam henna fatchillaktabani haibasi yaningbra?

POLL CLOSES AT MIDNIGHT

Yes No

Vote thadanabagidamak www.hueiyenlanpao.com da Visit toubiyu

NGARANG GI RESULT

Q: Ming chanbada lupsinggi quota loubagi chatnabina mating leiba education system leihanba ngamgadra? Yes | 05% | No | 95%

<u>भन्य</u> पार्टी कि का का निर्मात का निर्मा का निर्मात का निर्मात का निर्मात का निर्मात का निर्मात का निर्मा का निर्मात का



ш⁶न्न प्रताल प्रकार प्रताल के प्रताल के प्रताल प्रताल प्रताल के प (प्रेंस पण्ड पण्ण)ः मार्रमारान मोर हैन्डमिर प्रसाय पण्डाम के मार्थ एक मार्थ एक मार्थ है है है है है है है है है धन्त्रत्वास्त्र के सिहित के स्वापन मोधन प्रतिक कि स्वापन में कि स्वापन स ॥ त्रिया अभित्रेष्ट एक उत्तर उत्तर हैं के अप अपने कि अप कि स्वाधित । । विक्रम अपने कि अपने होम गिराससम् ज्यार्थकार स्रियमसम्बद्धमान मध्यार्थकार प्राप्तम ॥ डिप्पायर्थस्यार्थः स्थाया विद्यापार्थित ह्यापार्थित । ा डिप्पर्टस्यार्थ राधेर अध्यान प्राप्त कराम स्थाप अध्यान प्राप्त भारत है।

मिर्थित रंग ग्रेलक । रिल्वाचित्रक एक । रिल्वाचित्रक १ विकास स्वाधित । रिल्वाचित्रक १ विकास स्वाधित । रिल्वाचित्रक रिल्वाचित्रक । रिल्वाचित्रक रिल्वाचित्रक । रिल्वाचित्रक रिल्वाचित्रक । रिल्वाचित्रक

, अधर्<u>राष</u>्राहरू त्र एस ए स्थाप र भारत हा प्राचित्र मारा प्राचित्र हो प्रामुखाना प्रतिस्थान के अपने स्थान के अपने स्थान स

अस्ति क्युंग्रम हत्या प्रजन्म त्रमञ्जूष अहिन्द्रत तम्मुम् भूष्य उष्टा र्रोण एक जहर कि मान मिर्ने ਲ ਸਵੇਧਾ ਸਾਹਿਤ ਸੰਦਾਸ਼ ਨੇ ਸ਼ਿਹਤਾਜਟਨ ਸੰਦਾਸ਼ त्रक्रमस्य प्राधियात्र प्रभाम अध्यामस्य पार्शासम् सिरास्ट स्वाप्टम ीणायोत्तर ग्रा<u>ष्ठट</u>ांटाऋ

መዊያ ያይጀ गार्भारम द्धा 🖺 🕅 🖺

ग्रेष्णत स्ट्रांहम हमञ्रस

೯೪೩ ಚಿನ್ನಾ ತಾಗ್ ಗ್ರಹ್ತಿ ज्ञात्र विश्व विद्याचित्रक्ष र्सम प्रामम प्रान्तिक रहे पार्गणंत्र पाष्ठभुश्चल दक्षार ह्या स्टिप्या विश्व स्टिस रिश्व मधीर हमधीर हामान्य लिए स्थाप हामान्य मधीर अरुराप भी भन्तीम भिष्ठीरुभ लक्षीरुग रेटिन जरतार्थकार इ.स.च्या १५ ष्ट्राम्स द्रशाम्ब्री द्रश्Шऋ⁰Ш EHZEGO II क्रम्म्य ण्यालाहर्यात भूम मञ्ज्ञर्रि लिंड स्थार्य स्थाप्त हिस ॥ र्रिंग्ड प्रश्वित लग्नर्दर्

हिस्तुनम्प्रात क्रिक्सिक क्रिक्स क्रिक्सिक क्रिक्सिक क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क्रिक्स क

ीजीया ७८ हि ॥ <u>भिज्</u>यार्थंद पार्थंद्वे होस्तज्ञद पाराम्य (मञ्ज दक्की) ज्ञज्ज णिभारातियम हमधम विवश्य अभिभाष्य परिसभ् विदिश्याविद्यात त्याविद्य प्राप्तिकार हा है । णामराणाः जाधदर् भामर्राम भाषाणम रिष्ठिभ जस्तर्दर्भ १७४५<mark>र्धा</mark> रु^५ए ॥ रहीमात्या⁶स्तर्द रु९९९७ । ४५५५ । ४५५५ । उर्दक ो १५५५ । वर्ष

सारीयम टिस्सिक सिटाम होटाम सिटाम होटा एक कि के हो हो है हो हो है जिल्ला सारित हो मण्ण एपाईँग एग्रा ए के सिक्स्य पार्रा के सार्वार एक विकास के सार्वे के सार् ह्याहिन्य मधीन उटाटाम भाषाउम धन्य धर्माधी थिष्ठा थिष्ठा सिक्षा ह्याधा अध्याधिक हो मधीन ह्याहिन्य माधिक है. जा मधीन ॥ गिरीणारुभ्यात्म विषया । भिरुष्यात्म स्वारोम भाषात्रमा

र्सा ८०, तमा विषय का विषय है। यह तमा विषय का प्रत्यात है। पह स्थाप का प्रत्यात के प्रत्यात के प्रत्यात के प्रत u अरुर हस्यार्ट लम्म भाश्र चठ समस्म होन्देंडे पार्कि ील लग्न एम अल्प चन्न प्रक्रि टार्मी हिंगा, निरंदर्श स्थान ामार्या महरभन हिन्दु प्राप्त अन्तर प्रमान भूजमा होभार होभार हिन्दु रहामध्य मामार्थ \mathbf{R} \mathbf{R}

गाउटी ठढर्क रिक्षा रह्मांत हर्दण एप्पर्मेशम ६५म हम्म भारणा प्रहर्श्यण भार भेर रेप राजन्या भरावीम निवस्त्रकार्य (सम्य द्याँ) अन्य भरावीम निवस्त्र ॥ दल्कण्यां प्राप्तिक एक विकास क्षेत्र के विकास क्षेत्र का विकास क्षेत्र के विकास क्षेत्र के विकास क्षेत्र के विकास का वित्र का विकास भारि या ग्रास्पर्धेर्यात हीधस्यं पाटाम ए४ अन्याधारणा ही हास प्रतास पर्या प्रतास पार्य हों उन्हार प्रतास किरान हा सम्ब ण्यामा प्राप्त १५ प्राप्तीयम व्यापनम तसारीम प्रियमाप्रिम मधार्थ्य रेटा रिस्टांत विम प्रथमम दर्भाम प्राप्तीम , इपार्टम स्टर्बर् आर<u>म्द</u>र्द निष्ण त्रवृत्तम स्थान कारणा कार्याची । विष्ण क्रिया प्रतिष्ठ कारणा । विष्ण प्रतिष्ठ सम्प्रे विष्ण

प्रधारह शह

र एक प्रेर मध्य ग्रेस शिक्ष का स्कूर है। इर स्कूर मह्म प्रेस है। इर स्कूर मह्म र महत्रर्यक्षे ए होर्स्स जिल्लाहर जीए स्वाप्त सक्र मिन्नोल हल पाहरू जित्र विमान एक्ट्रस एउंमान किष्ठभारत्याभार्यस्तरं समाराम एराजमां माराण प्रज्ये प्रस्माध्य उद्ध्य ग्रियान्य प्रमाध्य प्रमाध्य भाषाच्या भाषाच्या भाषाच्या माराज्य ग्रमण र ११० मार्चार ग्रमिरहर जन्म विख्<u>भविष</u>्ट विष्ण ...हळ दर्मेट ब्रम

क्रिया प्राचित क्रिया क टेक रुधाम सेपलमएक्रभ



राभन्य ग्रीयधारीह मन्हर्वत्र प्राया ३० यर्थपार्य , व्यात टेक्अप साथ होटा हुए हे हुए हे हुए हे हुए हे हुए हे हुए ह ॥ विमरणीहर्दाः प्राथमा १००० प्रायक्ष १०० होभदर्व विमन्भदर्व प्राप्तिक

प्राणित प्रतालक क्रमण में प्राणित क्रमण में प् ा<u>अन्य</u>हर हट्टामह्यम प्रमाणिक भ्रमक्री एथा प्रकार भ्रम C^{∞} प्राप्त कराया प्राप्त त्राप्त कार्य कार्य होता है जिल्ला कार्य ॥ भिर्ध र्यम जह्य म्लान्स एउउर्व पालम्य हल्ले जहार दर्व

°भ्रत्यार्थकरू ज्ञद्र°ग्राम°श्रा

भञ्जारा<u>भमा</u> ३० भठ[्]राण्या , र्वमद णित्र पण्ड पण्डाः हरज्खा प्राप्त प्राप्त भागि र°र भारीलञ्ज्ञां प्रांतिलागुरम् ह्य प्राप्त सहस्य यदशासमाध्य विश्वद्वाचार्य एक प्राप्त विश्वद्वाचार्य एक प्राप्त ଅଂୟୁୟ ଓଲ୍ଲେ ଅନ୍ଥ୍ୟ

हणभ्रत्यमा एक**ा**न्नक्ष्यस्त प्राण्यात स्मि, <u>त्या</u>, ब्रिक्स क्रुष्ट्य सर्भेता क्रुष्ट्य स्रिक्स स्मि, ब्रिक्स स्मि, व्याप्त स्म ॥ भिरत ए जम्म एक्ति । । विश्वास क्षेत्र प्राप्त । । विस्वास क्षेत्र प्राप्त । । विस्वास क्षेत्र णाश्राणक रहे वारियाचा रहे जाणीरयाचा रहे वर्ष भण्ड स्थाप स्थाप कि . कि भण्ड स्थाप <u>भाग</u> ॥ भिर्द्ध एमण*े* जार्जन

ट्याम लेख्य, ෩ඁ෨ෟ෧ඁඁ෧ඁ෫෭ඁ रमी<u>भर</u>ः स्रोठभर भन्न स्रोठभ<u>र</u> स्थानम् रज्ञं स्वाम उदर्ह र स्प्राप्त प्राप्त प्राप्त स्वाम

उसहेच, प्रेष्णक्ष १६ वस में प्राणि ५ ज हमजूर प्राणिक करिकार

॥ राज्याञ्चालारे प्राचित्र विश्व । । राज्याज्य । । राज्याज्य । । राज्याज्य । एटर्ड रिजार्थ रिवार्ट विज्ञासभ्या मिस्का

र् छर्ज E_oS

ह्या हि ति अध्य भारत्य अर्रभ्भा ब्रह्म

॥ १५ ५ वर्ष हे - १५ वर्ष वर्ष वर्ष व । ाजिक मुक्ता है। जात्र विकास का अन्य का अन्य प्राची के अन्य का जात्र के अन्य का जात्र के अन्य का जात्र के अन्य ॥ एक १८८० कार्याण मध्यापम स्थापम्य पार्टिम्स पार्टिम्स पार्टिम्स अंग्रे प्रिमिष्य अल्जिम्बर्मका स्रोधकार्य ॥ विज्ञासम् रावास्य प्राप्ति अर्थेक अर्थेक अर्थेक अर्थेक र्टाण्य छर्ट यम जलनस्टाम्स । जिलामक सरसा मञ्जन प्रोलाभ रहा। जल्द राम जलन्द्र छर्ट प्रमाण യാदर्ष, ששתוש שלא שרפיא שיאשיאיש שלא שרפיא אולים אלא אינים אינים אלא שרפיא שוארשו שרפיא שוארשו אולים אלא אינים אלא אינים אלא שרפיא שוארשו אינים אלא שרפיא שוארשו אינים אלא שרפיא שוארשו אינים אלא שרפיא שוארשו שלא אינים אלא שרפיא שוארשו שלא אינים אלא שרפיא שלארשו שלא אינים אלא שרפיא שלארשו אינים אלא שרפיא שרפיא שלארשו

प्रामाप्त नितृष्य हेला है जह है जह साल्यम निकल्प एक के साल्यम निकल्प है जा है जह स्वार्थ में जाति है है जिस्से प्यीटेष्ट्र ॥ गिष्प्रप्याधरप्रस्य स्ट॰३ स्ट॰५५७ स्ट॰६५० रि एए५५५१ त ए५५५५५ के राज्य रेपार्थ पाञ्चर पाञाप इस्ट्रेस स्वाव्यम विस्न १६५ विचारिक राज्य

> जार[े]४*ऽरे*ए ज्ञान्य राज्ञाण ಉಶಚಿವರ್

,गैराला<u>भक</u>्क मण्हत्वंत्र सङ्ग्य एभभक्त प्राप्त<u>रहेन</u> हमेल होटाम माजन ।। उपस्थान प्रमुख्यान प्रसंक प्रमुख्य प्रमाम महस्वं



महर्स् ः (१७७० २५०) ीभारीएम गर्पार्डस<u>भू</u>र एभ्संसूर्ण्य अभार हित्रस हित्स देण्य केन्य है इस हित्र हित्र हित्र हित्र हित्र है कि स्वर्थ है कि स्वर्य है कि स्वर्थ है कि स्वर्य है कि स्वर्थ है कि स्वर्य है कि स्वर्थ है कि स्वर्य है कि स्व रहायार्थ स्थाप स्टिप्टा राज्य ዾፌኳዜፌፌቤፌ EcH とんひれる。コダ ॻॻॹॡऻॴढ़ॻॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗ र्जाए°ाहे ज्ञहा जिल्ला कर एक *ज*र ऐद्ध **७. म. अ.स.** १८१३ १८५९ ॥ भ्रञ्जर्र ह्यापुम भागारभ्याञ्जर म्बन्धारिक अस्त्रिहरू ज्यासिमञ्ज

भार इ भ्रष्टमध्योह्र भारित्र हुल्जियाजय प्राप्त सिक्ट, १००१ के अह्मान्स्यास्य



े प्रकार प्रतार योज स्वापन अधिक अधिक स्वापन स्व प्राटेभगेटी-प्राएंक्रे),

्ठ इंटिम इसएराण्य होतम इसएराण्डिम हातम अक्ष्य अमेर्च प्राप्त क्षा दें। इस होता अध्यय होता क्षा होता सामे होता अध्यय होता होता होता है से सामे हिस होता है से सम्बद्ध है से सामे हैं से सामे हैं से सम्बद्ध है सम सम्बद्ध है सम्बद्ध है से सम्बद्ध है सम्बद्ध है से सम सम्बद्ध है से सम्य सम्बद्ध है से सम सम्बद्ध है से सम्बद्ध है से सम्बद्ध है से सम्बद्ध है से सम्बद्ध

मद्रायात्म्यात् ठेला सम्प्रता हिन्दा हेन्स्य निवास स्थापन हेन्द्रा हेन्स स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्

४७मरूपार्र गरपा॰र दर्ड िणाणक्रम भिन्नहिष्य <u>राष</u>्टीन्ट्री १८म मठी मठी व हां हात्र हाज के सार हा हात्र का अध्या प्रस्ता का सार हात्र ॥<u>भ्वत्र</u>पार्टपार्गात सिभटान्या अपर्थेल राष्ट्रपारीम ग्रत्वर्त मेंपार्थ गर्मर स्वीत्रम वात्र रामर्थेन लभ<u>भाम</u> रागा शलपाया कि. देषि मध्येली), <u>जार्</u>यकेला उर्घ हिस्सी स्थाप हल्लाका प्रकार जा के हिस्सी । ीगीभ्राधन पार्टि क्रिस्ट क्रिस्ट क्रिस्ट क्रिस्ट क्रिस्ट निर्माधन क्रिस्ट क्रिस क् टोबार्च ,स्छाउदश्कर महा॰उम् प्रात्मक्केट प्रशिषक्ष <u>भक</u>्ष्यभारत होटीस प्रात्निक प्रा ਟੇੜਖਾਸ਼ਡੀ (ਟਾਡੀ ਢਾੰਵ ਰਾਘ ਢਾੰਘਾਅੰਡਰਾ ਵ ਆਪ se ਵੇੜਡ <u>ਅਸ਼</u>ਖਾਇ <u>ਸ਼ਾਟ</u>ਾ ਆਸਆਸ਼ਾਹੀ। ਸਾਖਾਂਹ ਢਸ਼ਹ ਨੇੜ, ਸ਼ਟੱਖਾਂਨ ਢਟੀਂਪ, ਸ਼ੇਟਾਸ਼ਗੇਢਡ ਸੇਡੜਾਂਜ ග් වන් පෙන්න සල්යා ගලයා පාණය වනා ස<u>ලනා</u> පසම මෙද ක්රීන් පයිණුන්නෙක අනස්ත් සට්ය පංචාණනය පරාදු (වනුස්වය, අනස්ත් නස්කුන් නත මර්ග 🛪 ගණි වේගාගේ යන ඇති වේ. साथ करा सहित्या साथ होते हैं साथ सहित है के साथ सहित्या साथ सहित्या साथ सहित्या। करिर्पण

२८२८८८६ १०)-२३+ सठमण भरेता प्राचित प्रतिक प्राचित प्रतिक प्रतिक